an>

Title: Need to set up an AIIMS like institute in Jharkhand and also undertake upgradation of medical colleges and hospitals in the State.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) ः झारखण्ड में तीन चिकित्सा महाविद्यालयों और अस्पतालों की स्थापना की गई है, परंतु उक्त महाविद्यालयों और अस्पतालों में आज भी सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति नहीं करने और आवश्यक चिकित्सा उपकरण अधिष्ठापित नहीं होने के कारण हज़ारों मरीज़ों को राज्य से बाहर इलाज कराना पड़ता है। आदिवासी और पिछड़े राज्य की परिकल्पना के आलोक में राज्य निर्माण के लगभग 15 वर्षों के पश्चात भी इस राज्य में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना नहीं की गई है। यद्यपि सरकार ने वर्तमान बजट में 5 राज्यों में एम्स और बिहार में एम्स जैसे अन्य चिकित्सा संस्थान की स्थापना का प्रस्ताव किया है, जो स्वागतयोग्य है। यद्यपि बिहार में आई.जी.एम.एस./ए.आई.आई.एम.एस. जैसे शीर्ष चिकित्सा संस्थान पूर्व से ही स्थापित है। इस संबंध में मेरे द्वारा मामला उठाने के पश्चात सरकार द्वारा सूचित किया गया था कि झारखण्ड में एम्स की स्थापना हेतु राज्य सरकार को लिखा गया है, परंतु इस दिशा में झारखण्डवासियों को निराशा हुई है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से आग्रह है कि झारखण्ड में एम्स की स्थापना और झारखण्ड के तीनों चिकित्सा महाविद्यालयों और अस्पतालों के उन्नयन और विकास के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की कृपा की जाए।